मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 26 सितम्बर 2017

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	27/09/17	28/09/17	29/09/17	30/09/17	01/10/17
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	35	35	35	34	34
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	24	24	23	23	23
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	3	2	1	3	2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	74	75	76	78	79
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	21	24	23	24	25
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	3	5	6	3	6
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
सरसों/राया	तैयारी	सरसों/राया की बुवाई के लिए बीज व खाद की व्यवस्था करें। टी–59, आर.एच–30, बायो–902, जी.एम–2, उर्वशी, व आर.एच–819 उन्नत किस्में है। बुवाई के लिए 4–5 किलो बीज प्रति हैक्टेयर पर्याप्त रहता है।
चना	तैयारी	चने की बुवाई के लिए सी–235, आर.एस.जी–44, आर.एस.जी–888 व जी.एन.जी–663, चने की उन्नत किस्में की व्यवस्था करें। बुवाई हेतु 80–100 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर में उपयोग करें।
मिर्च	फल	मिर्च की फसल में पर्णकुंचन रोग के प्रकोप से पत्तें सिकुड़ कर मुड जाते है। रोग के नियंत्रण के लिए मैलाथियान 50 ई.सी. 1.0 मि.ली. का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
पशु		बदलते मौसम में पशुओं में खुरपका–मुंहपका रोग के फैलने की संभावना रहती है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें।

(नौडल ऑफीसर)